स्मॉल वुल्फ

नथानिएल बेंचले, चित्र : जोआन

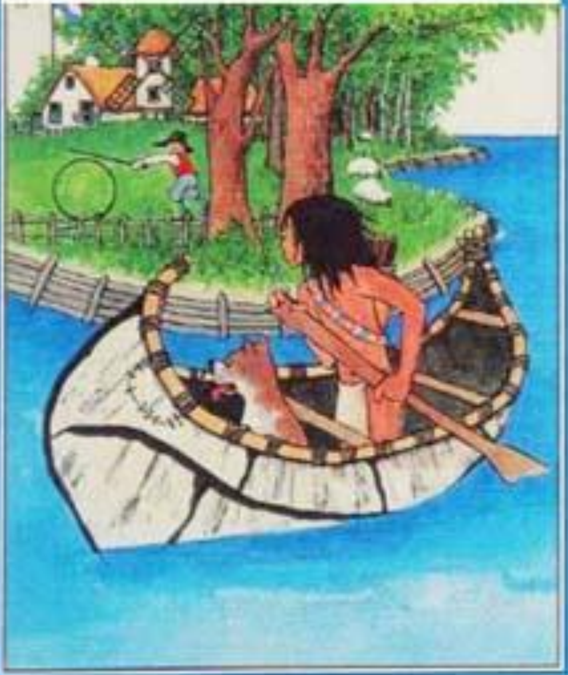

स्मॉल वुल्फ

नथानिएल बेंचले, चित्र : जोआन

स्मॉल वुल्फ अपने परिवार के साथ एक नदी के किनारे एक गाँव में रहता था.

उसकी माँ मकई उगाती थीं और खाना पकाती थीं और उसके पिता शिकार करते थे.

उनके पिता हिरण और भालुओं और खाने के लिए छोटे-छोटे जानवरों का शिकार करते थे. जो वो नहीं खाते थे उसके वो कपड़े बनाते थे.

लेकिन स्मॉल वुल्फ शिकार करने के लिए बहुत छोटा था. वो अपनी डोंगी से केवल मछली ही पकड़ सकता था.

और वो बुने हुए जाल से मछली पकड़ता था. वो ईल पकड़ता था और घोंघे और सीप खोदता था.

उसकी ज़िंदगी अच्छी थी, और उसे मछली पकड़ना पसंद था.

वो हड्डी के हुक से मछली पकड़ता था.

लेकिन कुछ समय बाद वो मछली पकड़कर थक गया.

अब वो बड़े जानवरों का शिकार करना चाहता था.

उसने अपने पिता से वो करने की अनुमति मांगी.

"आखिरकार," उसने कहा, "क्या होगा? मेरे एक या दो तीर खोएंगे, बस इतना ही."

"ठीक है," उसके पिता ने कहा.

"नदी के नीचे पहाड़ियों पर तुम्हें अच्छे शिकार मिलेंगे.

तुम अपनी डोंगी से जाओ, और वहाँ एक रात और एक दिन बिताओ, फिर देखो कि तुम्हें वहां क्या मिलता है."

"ठीक है!" स्मॉल वुल्फ ने कहा. वो अपने डोंगी में सवार होकर मैनहैटन गया जहाँ पहाड़ियां थीं.

"अगर मैं यहाँ अच्छी तरह से शिकार करता हूँ," उसने सोचा, "और बहुत से हिरन, और भालू, लोमड़ियां, भेड़िये, उकाब, नेवले, और ऊदबिलाव, और जंगली बिल्लियों का शिकार करता हूँ तब फिर मैं अपने पिता जैसा ही शिकारी बन जाऊंगा."

"फिर मैं पिताजी जैसे ही अपने बालों में पंख और अपने चेहरे पर रंग लगा सकूंगा."

उसे अभी यह नहीं पता था कि पिताजी जैसा आदमी होना सिर्फ जानवरों के शिकार करने से कहीं ज्यादा था.

मैनहैटन पर शिकार और मछली पकड़ने वाले अन्य इंडियंस भी थे, लेकिन स्मॉल वुल्फ अकेला ही रहना चाहता था.

जब अंधेरा हो गया तब स्मॉल वुल्फ ने सोने के लिए कैंप बनाया और फिर आग जलाई.

इसलिए उसने अपनी डोंगी को किनारे पर खींचा और उसे छिपा दिया और फिर वो जंगल में चला गया.

उसने एक छोटी चिड़िया को पकाया जिसका उसने शिकार किया था.

और फिर वो लेट गया.

लेकिन उसे नींद नहीं आई, क्योंकि जंगल में रात को तमाम चीज़ें हो रही थीं.

जंगल अनेकों ध्वनियों से भरा था-

वू- हू! ओ-ओ! ओ!

टूटने! गिरने! पॉप! की आवाज़ें आ रही थीं.

जंगल बहुत से जीवों की आँखों से भरा था.

स्मॉल वुल्फ दिन निकलने तक सो नहीं पाया.

जब वो जगा तो उसने जंगल के बीच जाते हुए एक पगडंडी देखी.

"मुझे लगता है कि मैं इस पगडंडी पर चलूँगा और देखूंगा कि वो कहाँ जाती है," उसने कहा. "शायद वो मुझे वहां ले जाए जहां अच्छे शिकार के जानवर हों."

फिर उसने अच्छी तकदीर के लिए "हां-हू!" कहा और साथ में कुछ नीबू लेकर वो आगे बढ़ा. वो किसी भी चीज़ के लिए तैयार था. लेकिन आगे जो कुछ हुआ वो उसके लिए तैयार नहीं था. वो जंगल से बाहर निकला, और जो कुछ उसने देखा, उसे उस पर विश्वास नहीं हुआ.

उसने वो चीज़ें देखीं जो उसने पहले कभी नहीं देखी थीं—चिमनी वाले घर, और पाल वाले जहाज़, और चार भुजाओं वाला एक घर, जो गोल-गोल घूमता था, और एक आदमी जिसका चेहरा पूरी तरह से सफेद था!

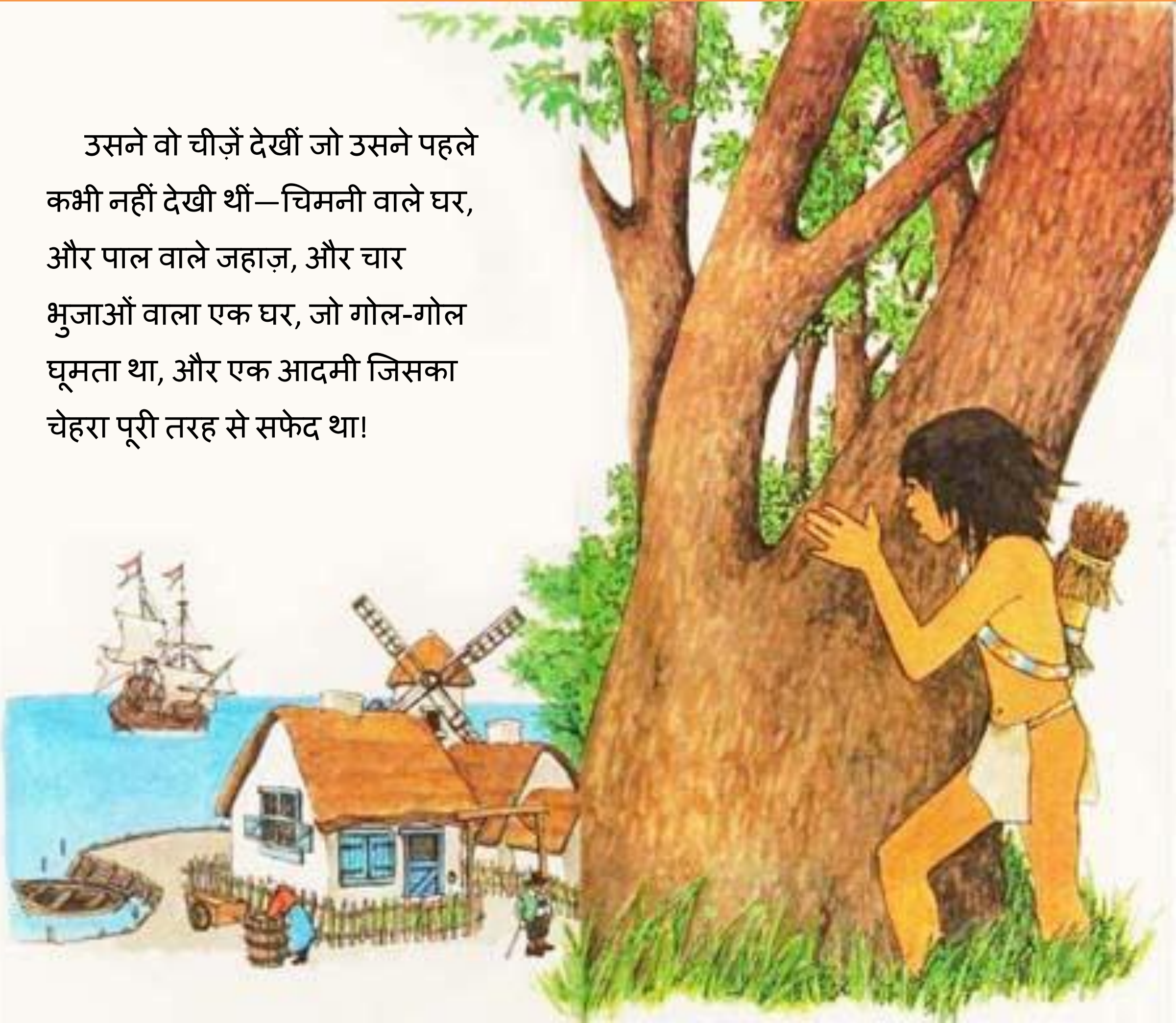

आदमी का मोटा जबड़ा था और उसके दांतों के बीच दरारें थीं. स्मॉल वुल्फ को लगा जैसे उस आदमी ने किसी शैतान का मुखौटा पहना हो.

उसने एक जहाज में से अजीब जानवरों को बाहर आते हुए देखा.

लंबी अयाल और पूंछ वाले घोड़े निकले. छोटे सींग और काले धब्बे वाली गायें निकलीं. घुँघराले सींगों और काले चेहरों वाली भेड़ें निकलीं. सूअर आए जिनकी घुमावदार पूंछ और नाक ठूंठदार थी. वे जानवर बड़े और अजीब थे, और वो बड़ी अजीबो-गरीब आवाजें निकाल रहे थे.

स्मॉल वुल्फ डर गया. "मैं इस तरह के जानवरों का शिकार करने नहीं आया था," उसने कहा. "वे मेरे लिए बहुत ज्यादा हैं!" और फिर वो वापस जंगल में भाग गया.

वो पगडंडी पर भागता हुआ वापिस गया और उसने अपनी डोंगी खोजी. फिर वो डोंगी में सवार होकर वापस भागा, और मैनहैटन से जितनी तेजी से संभव हुआ दूर गया.

स्मॉल वुल्फ ने घर पहुंचकर अपने पिता को वो सब बताया जो उसने देखा था.

"मैंने एक आदमी को सफेद रंग से रंगा हुआ देखा!" उसने कहा.

"उसके हाथ और चेहरा भी सफेद था. और उसके जबड़े मोटे थे, और उसके दांत किसी झाड़-फूंक वाले ओझा या शैतान जैसे थे.”

"मैं गोरे लोगों के बारे में जानता हूं," उसके पिता ने कहा.

"वे लोग कुछ समय पहले यहाँ आए थे. अगर हम उन्हें अकेला छोड़ दें, तो वही ठीक होगा."

"लेकिन वहां तमाम जानवर भी थे!" स्मॉल वुल्फ ने कहा.

"ऐसे जानवर जो आपने कभी नहीं देखे होंगे!

कुछ के ऐसे सींग सीधे थे, कुछ के सींग टेढ़े थे,

और कुछ जानवरों की झाड़ीदार पूंछ थी, और कुछ की घुंघराली पूंछ थी, और वे सभी अजीबो-गरीब आवाज़ों में शोर कर रहे थे. जब तक आप उन्हें देखेंगे नहीं तब तक आप मेरी बात पर विश्वास नहीं करेंगे!"

"ठीक है," उसके पिता ने कहा.

"तुम्हारा वर्णन काफी दिलचस्प लगता है. मैं उन्हें जाकर देखूँगा."

"दिलचस्प?" छोटे वुल्फ ने कहा. "वो भयानक है! ज़रा रुकें!"

"वो देखिए!" स्मॉल वुल्फ ने शहर पहुंचकर कहा.

"वहाँ जानवर हैं! क्या आपने कभी उनके जैसा कुछ देखा है?"

"वे बड़े अजीब हैं," पिता उसकी बात से सहमत हुए.

फिर वे डोंगी लेकर वापस मैनहैटन गए.

"आइए हम किसी से पूछें और देखें कि हम उनके बारे में और क्या जानकारी हासिल कर सकते हैं."

फिर वे एक गोरे व्यक्ति के पास गए, जो उन्हें देखकर चौंका!

उसने अपनी बंदूक उठाई और उसे एकदम तैयार रखा.

"वे जानवर किसके लिए हैं?" स्मॉल वुल्फ के पिता ने पूछा.

"वे जानवर हमारे फार्म के लिए हैं," गोरे आदमी ने कहा.

"बेहतर होगा कि आप लोग यहाँ से चले जाएं."

"यह जमीन अब हमारी है. हमने इसे पैसे देकर खरीदा है."

"आप जमीन कैसे खरीद सकते हैं?" स्मॉल वुल्फ के पिता ने पूछा.

"क्या आप आकाश या समुद्र खरीद सकते हैं? आपने जमीन के लिए किसे भुगतान किया?"

"हमने यहां रहने वाले इंडियंस को भुगतान किया," गोरे आदमी ने कहा.

"वे तालाब में मछली पकड़ रहे थे. अच्छा अब तुम लोग जाओ, नहीं तो मैं तुम्हें गोली मार दूंगा."

फिर गोरे आदमी ने अपनी बंदूक की ओर इशारा किया, और उसने एक क्लिक के साथ उसे उठाया.

"आपको हम से डरने की ज़रूरत नहीं है," स्मॉल वुल्फ के पिता ने कहा.

"हम तो आपसे सिर्फ पूछ रहे थे."

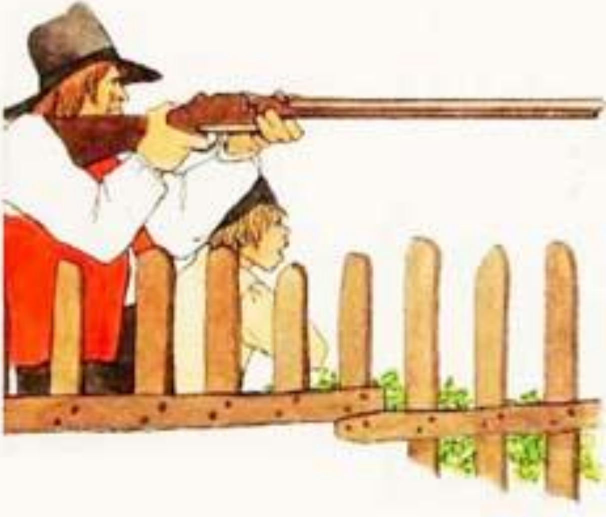

"यहाँ से तुरंत जाओ," गोरे आदमी ने कहा.

उसके बाद स्मॉल वुल्फ और उसके पिता वहां से चले गए.

"उन्होंने किन इंडियंस को भुगतान किया?" छोटे वुल्फ ने डोंगी का चप्पू चलाते हुए पूछा.

'कैनारसी को," उसके पिता ने कहा, 'और वो तो वहाँ रहते भी नहीं हैं. उन्हें जमीन बेचने का कोई अधिकार नहीं था. ज़मीन, आकाश और समुद्र धरती माता के हैं और सभी के उपयोग के लिए हैं."

लेकिन गोरे लोग उसे इस तरह नहीं देखते हैं.

गोरों के जानवर हर जगह जाते हैं और इंडियंस की लगाई फसलों को खा जाते हैं, और इंडियंस के खेतों को रौंद डालते हैं.

उन्होंने तमाम घर बनाए हैं
और अब वे पूरे टापू पर फैल गए हैं.

अंत में इंडियंस की तुलना में गोरे लोगों और उनके जानवरों की संख्या अधिक होगी.

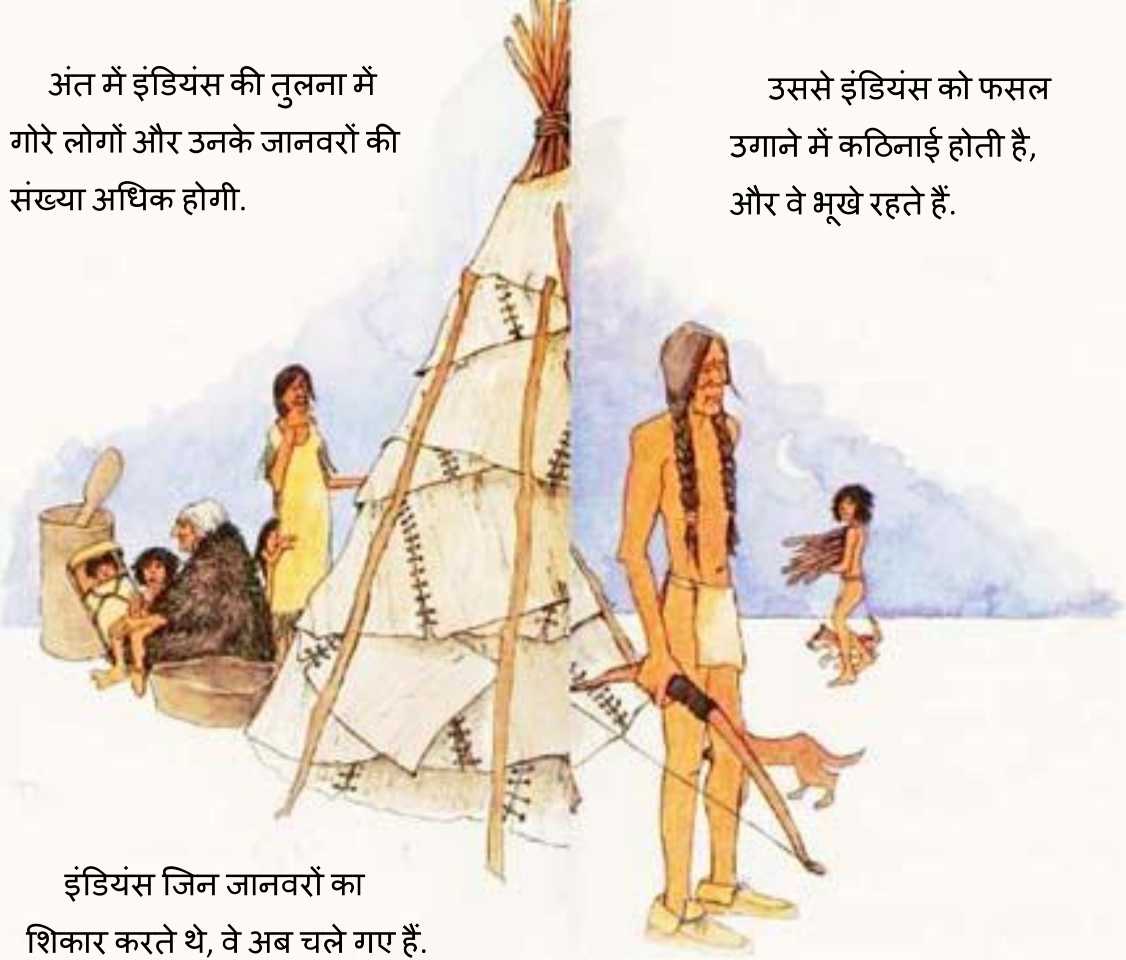

इंडियंस जिन जानवरों का शिकार करते थे, वे अब चले गए हैं.

उससे इंडियंस को फसल उगाने में कठिनाई होती है, और वे भूखे रहते हैं.

एक दिन स्मॉल वुल्फ के पिता ने एक फैसला किया.

"मैं जाकर गोरे लोगों के नेता से मिलूंगा," उन्होंने कहा

"मैं उसे बताऊंगा कि वो लोग हमारी भूमि को खराब कर रहे हैं और मैं उसे रोकने की विनती करूंगा. उन्हें इस तरह से ज़मीन को नष्ट नहीं करना चाहिए."

"क्या मैं भी आपके साथ आ सकता हूँ?" स्मॉल वुल्फ ने पूछा.

"हां." उसके पिता ने कहा.

"मैं यह तुम्हारी भलाई के लिए ही कर रहा हूँ."

उसके बाद वो गोरों के नेता को ढूढ़ने के लिए निकल पड़े, इससे पहले कि वे बहुत दूर जाते उन्होंने चिल्लाहट सुनी, और लोगों को भागते हुए देखा, और फिर स्मॉल वुल्फ के पीछे एक पेड़ के पीछे धमाका हुआ!

कुछ ही दूरी पर उन्होंने लोगों को चिल्लाते हुए सुना,
"इंडियंस! इंडियंस!"

"अरे!" स्मॉल वुल्फ ने पूछा. "यह सब क्या हो रहा है?"

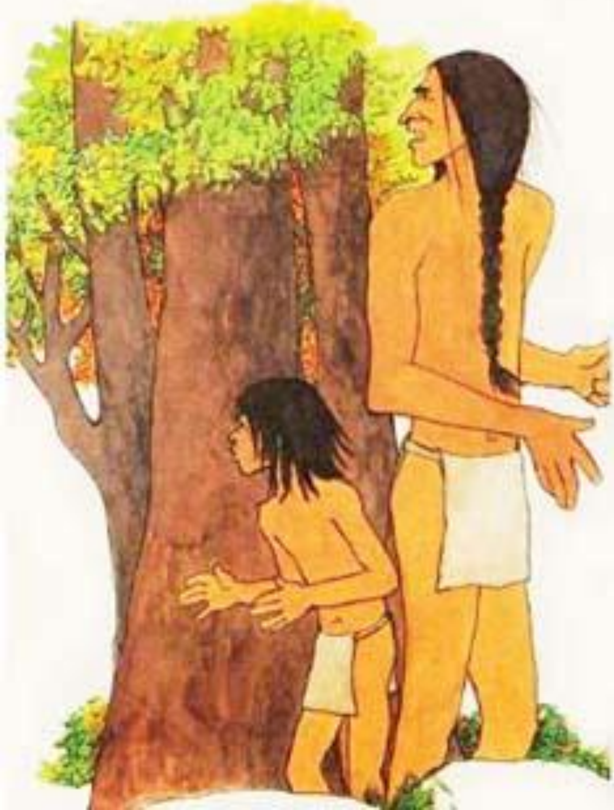

"मुझे नहीं पता." उसके पिता ने कहा. "अभी खड़े रहो और सुनो." उन्होंने जो कुछ हो रहा था उसे सुना.

फिर उन्होंने और अधिक चिल्लाने की आवाज़ें सुनीं. फिर एक और धमाका! उससे छाल का एक टुकड़ा पास के एक पेड़ से उड़ गया.

"वे हम पर गोलियां चला रहे हैं!" स्मॉल वुल्फ चिल्लाया.

स्मॉल वुल्फ एक पेड़ के पीछे छिप गया, और उसके पिता ने भी ऐसा ही किया.

"उस ओर कुछ लगता है," उसके पिता ने अपनी सहमति व्यक्त की.

"लेकिन उसका कोई मतलब नहीं बनता है."

उन्होंने अपने मुँह पर हाथ रखकर कहा, "हम बात करना चाहते हैं! क्या आपके नेता आकर हमारे साथ बात करेंगे?"

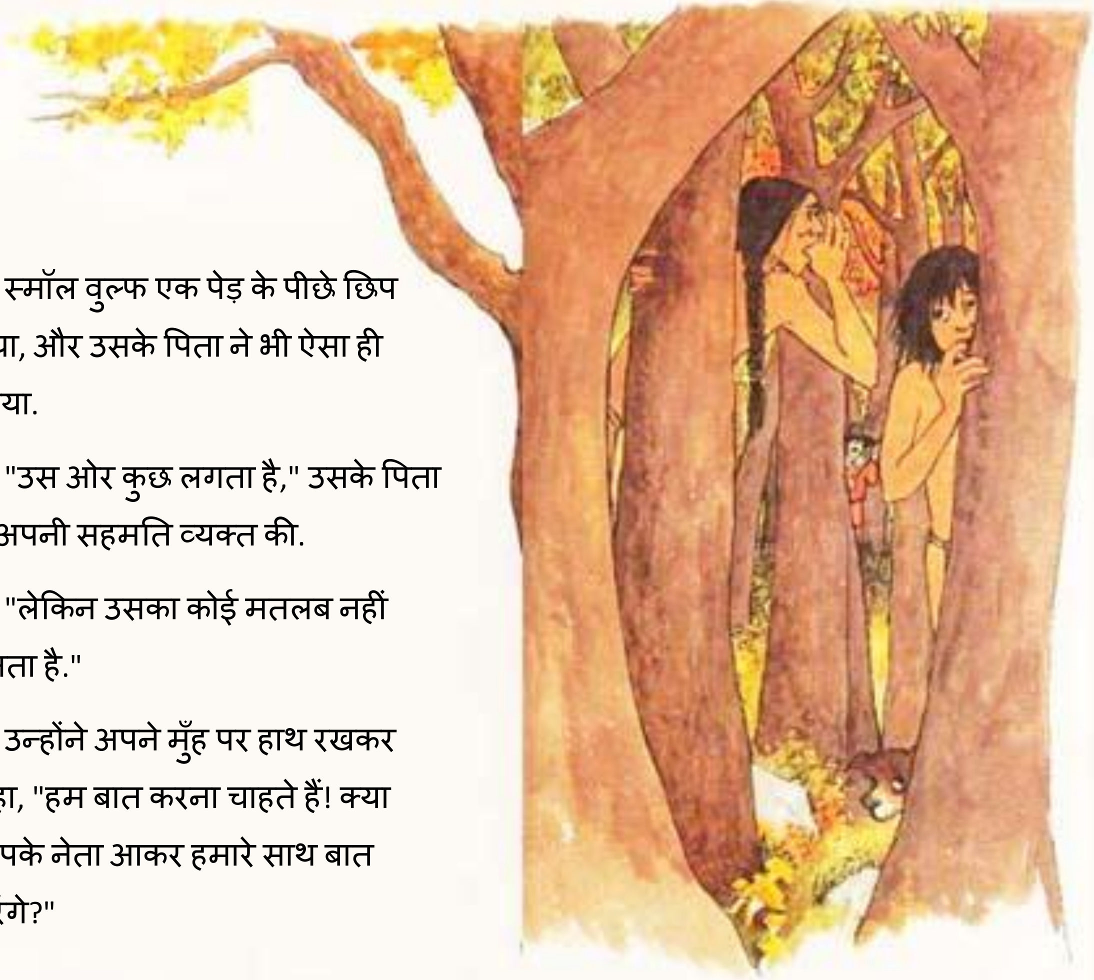

"तुम इंडियंस! यहाँ से भाग जाओ!" जंगल से एक आवाज चिल्लाई.

"तुम वहां वापस जाओ जहाँ तुम रहते हो!"

और एक तीसरी गोली चली और वो स्मॉल वुल्फ के कान के पीछे से तेज़ी से निकली.

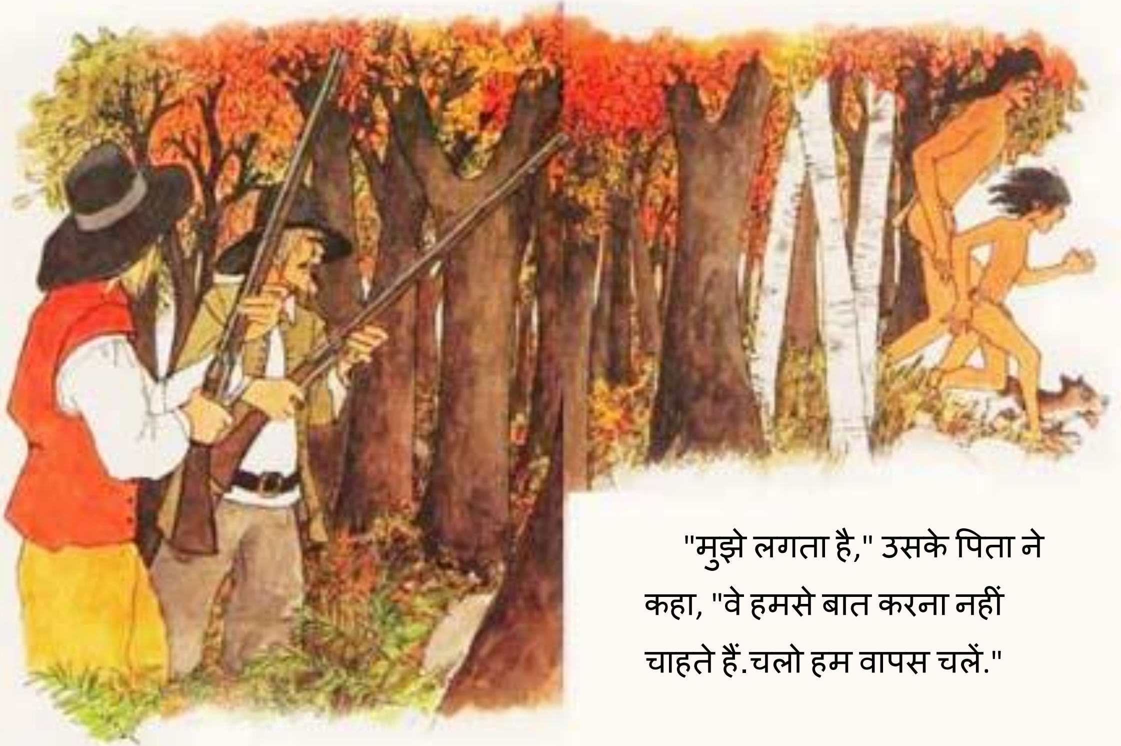

"मुझे लगता है," उसके पिता ने कहा, "वे हमसे बात करना नहीं चाहते हैं.चलो हम वापस चलें."

उसके बाद वे वापस चले गए और अगले दिन उसके पिता ने एक और फैसला किया.

"यहां सभी के लिए बहुत सारी जमीन है," उन्होंने कहा, "अगर हम यहां नहीं रह सकते हैं, तो हम नदी के ऊपर और आगे की ओर चले जाएंगे.

और अगर हम काफी दूर चले गए, तो फिर वे हम तक कभी नहीं पहुंचेंगे."

इसलिए उन्होंने अपना सामान बाँधा और ऐसी जगह खोजने लगे जहां गोरे लोग नहीं पहुँच सकते थे.

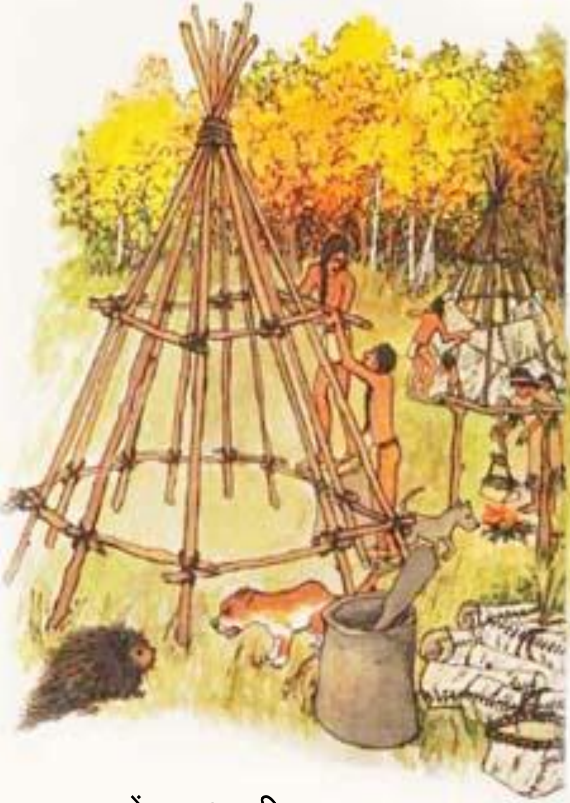

उन्हें एक अच्छी जगह मिली और वे वहीं बस गए.

फिर एक दिन, जब स्मॉल वुल्फ शिकार कर रहा था, उसने सोचा कि उसने एक हिरण देखा है.

उसने करीब जाकर तीर का निशाना बनाया.

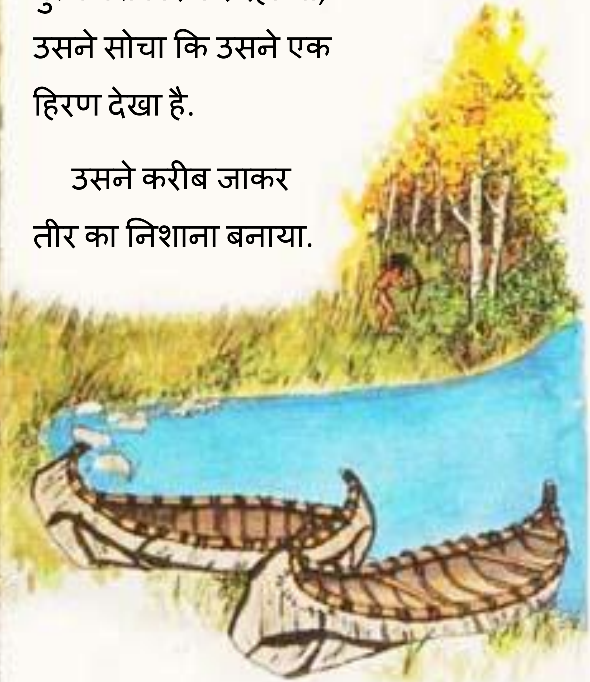

फिर उसने देखा कि वो एक हिरण नहीं था. वो एक गाय थी!

उसने घर जाकर अपने पिता को बताया.

"चलो इससे पहले कि कुछ और परेशानी हो हम यहाँ से और आगे बढ़ जाते हैं."

"इसका मतलब है कि वे यहाँ भी पहुँच गए हैं," उसके पिता ने कहा.

वे फिर से और आगे चले गए.

और फिर....

और फिर....

और फिर!!!

लेखक का नोट

हालांकि यह काल्पनिक कहानी मैनहैटन के बारे में है. स्मॉल वुल्फ और उसके पिता उन अमेरिकी इंडियंस में से कोई भी हो सकते थे जिन्हें गोरे लोगों ने उनके घरों और शिकार के मैदानों से विस्थापित किया था. कैनरसी इंडियंस ने, जिन्होंने मैनहैटन को, डच गोरों को "बेचा" था, उनके पास उस भूमि का कोई अधिकार नहीं था - क्योंकि वे ब्रुकलिन क्षेत्र में रहते थे - और उनके लिए जमीन के मालिक होने का विचार आकाश या जमीन के मालिक होने से ज्यादा मायने नहीं रखता था. उन्होंने डच द्वारा दी गई धनराशि ख़ुशी से ली, लेकिन जल्द ही उन्हें एहसास हुआ कि संपत्ति के बारे में गोरे लोगों के विचार, उनके अपने विचारों से बिल्कुल अलग थे. यह कहानी बार-बार दोहराई गई, जब तक अमेरिकी इंडियंस के पास कुछ भी नहीं बचा!!